ISSN - 0973-1628

156

Issue - 156, Vol-XVI (1), March - 2017
www.researchlink.co

"You can't connect the dots looking forward; you can only connect them looking backwards. So you have to trust that the dots will somehow connect in your future. You have to trust in something - your gut, destiny, life, karma, whatever. This approach has never let me down, and it has made all the difference in my life."

Steve Jobs
(1955-2011)

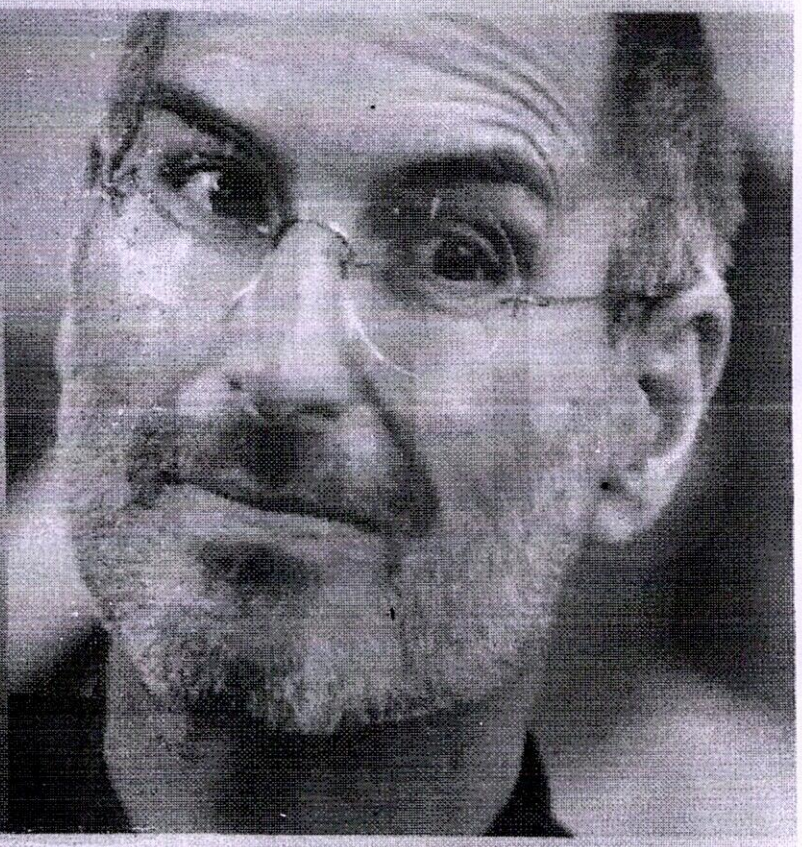

An International Registered and Referred Monthly Journal

Impact Factor 2015
2.782

RESEARCH Link

Kala, Samaj Vigyan awam Vanijya

₹ 250/-

:: CIRCULATION ::

Andaman-Nicobar / Bihar / Chattisgarh / Delhi / Goa / Gujarat / Haryana / Himachal / Jammu & Kashmir / Karnataka / Madhya Pradesh / Maharashtra / Punjab / Rajasthan / Sikkim / Uttar Pradesh / Uttranchal / West Bengal

An International, Registered & Refereed Monthly Journal
Education
Research Link - 156, Vol. XVI (1), March - 2017, Page No. 91-93

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर उनके संवेगात्मक बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन

प्रस्तुत शोधपत्र में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर उनके संवेगात्मक बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन किया गया है। अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के ग्रामीण परिवेश से 405 विद्यार्थियों (206 छात्रों व 199 छात्राओं) का चयन किया गया है। उपकरण के रूप में उपलब्धि अभिप्रेरणा के मापन हेतु डॉ.वीना शाह द्वारा निर्मित उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी (1988) तथा संवेगात्मक बुद्धि के मापन हेतु एस.के. मंगल (2005) द्वारा निर्मित संवेगात्मक बुद्धि मापनी का उपयोग किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु 2X2 द्विदिश प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया। परिणाम पाया गया कि विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग का सार्थक व मुख्य प्रभाव पाया गया तथा संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग का सार्थक अंत:क्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया गया।

श्रीमती ज्योत्स्ना गड़पायले*, डॉ.(सुश्री) पद्मा अग्रवाल** एवं डॉ.(श्रीमती) शोभा पुरकर***

भूमिका :

शिक्षा मानव जीवन के विकास की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो गर्भावस्था से लेकर प्रौढ़ावस्था तक चलती रहती है। यह व्यक्ति और समाज दोनों के विकास में अपना योगदान देती है। शिक्षा का कार्य मानवीय जीवन को सुरक्षित, सभ्य और समृद्ध बनाना है। यह उनकी आवश्यकताओं, आकांक्षाओं, मूल्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। शिक्षा की इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक का यह कर्तव्य है कि बालक की कुशलता एवं दक्षता के मापन के आधार पर ही उन्हें उपलब्धि प्राप्त करने के समुचित अवसर प्रदान करें। अभिप्रेरणा का जीवन की संपूर्ण क्रियाओं के साथ घनिष्ठ संबंध होता है। विद्यार्थी की सोच-पद्धति, व्यवहार, संवेगात्मक बुद्धि, इसका प्रभाव एवं आत्म-सम्प्रत्यय ऐसे महत्वपूर्ण कारक है जो उपलब्धि को प्रभावित करते है।

उपलब्धि अभिप्रेरणा :

बालक के जीवन की सफलता कई प्रकार के कारकों से प्रभावित होती है। यही कारक जीवन के क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण अभिप्रेरक का कार्य करते है। अभिगमकर्ता की महत्वाकांक्षा एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर पर भी अभिगम प्रक्रिया की सफलता काफी सीमा तक निर्भर करती है। उपलब्धि अभिप्रेरणा एक प्रमुख सामान्य सामाजिक अभिप्रेरक है, जिसका तात्पर्य ऐसे अभिप्रेरक से है जिससे प्रेरित होकर व्यक्ति अपने कार्य को इस ढंग से करता है कि उसे अधिक से अधिक सफलता प्राप्त हो सके। उपलब्धि अभिप्रेरणा किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिये प्राणी में व्यवहार उत्पन्न करके उसे निश्चित दिशा प्रदान करती है तथा तब तक प्राप्त होने तक उसे बनाये रखती है। रिची एवं कोविंस (1983) ने उपलब्धि अभिप्रेरणा को परिभाषित किया कि "किसी चीज को अपने से करने, उसे अच्छे ढंग से करने तथा उसमें विशिष्टता दिखाने की स्वीकारात्मक इच्छा को उपलब्धि अभिप्रेरणा कहा जाता है।"

संवेगात्मक बुद्धि :

"व्यक्ति की वह योग्यता है, जिसके द्वारा वह अपने संवेगों, भावनाओं और क्रियाओं को समझता है, जानता है, पहचानता है और उन पर नियन्त्रण रखने के साथ-साथ दूसरे लोगों के संवेगों, मनोभावों और क्रियाओं को समझता, जानता, पहचानता है जिससे वह भी संतुष्ट हो और दूसरे भी संतुष्ट हों। मेयर एवं सालोवे (1993) ने संवेगात्मक बुद्धि को परिभाषित करते हुए स्पष्ट किया कि "संवेगात्मक बुद्धि अपने एवं अन्य के अनुभवों तथा संवेगों के बीच विभेदन को लिए मूल्यांकन की एक योग्यता है, व्यक्ति इस समझ का उपयोग अपने चिंतन तथा क्रिया को सांवेगिक तथा बौद्धिक विकास हेतु निर्देशन में उपयोग करता है।"

सतीश (1998) ने पाया कि सैनिक उपलब्धि पर उपलब्धि अभिप्रेरणा, लिंग एवं परिवेश का सामूहिक प्रभाव पाया गया। भटनागर (1985) ने बताया कि सामान्य जाति एवं जनजाति वर्ग के लड़के एवं लड़कियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर था तथा लड़कियों की अपेक्षा लड़कों में उपलब्धि अभिप्रेरणा उच्च थी। दर्शना (2007) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा व संवेगात्मक बुद्धि को सहसंबंध का अध्ययन कर निष्कर्ष पाया कि संवेगात्मक बुद्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सार्थक संबंध पाया गया। मरिता एवं रीना (2015) ने कार्यरत व अकार्यरत माताओं के

*शोधार्थी, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई (छत्तीसगढ़)
**निदेशक एवं प्राचार्य, सवसा शिक्षा महाविद्यालय, कुरूद, भिलाई (छत्तीसगढ़)
***विभागाध्यक्ष (शिक्षा संकाय), कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई (छत्तीसगढ़)

बच्चों के उपलब्धि अभिप्रेरणा के बीच सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्र–छात्रा के उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य भी सार्थक अंतर पाया गया। शेखर एवं देवी (2012) ने महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा पर लिंग एवं शैक्षिक विषयों के संदर्भ में अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि छात्र एवं छात्रा के उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर है। सैकिया एवं कलिता (2013) ने परिणाम पाया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं में उपलब्धि अभिप्रेरणा छात्रों की अपेक्षा उच्च पाई गई। उमा देवी (2009) ने बताया कि विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य धनात्मक सह–संबंध पाया गया।

वर्मा एवं उपाध्याय (2006) ने निष्कर्ष निकाला कि उपलब्धि अभिप्रेरणा पर नियंत्रण अवस्थान एवं लिंग का अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया गया जबकि लिंग का उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव पाया गया। छात्राओं में छात्रों की तुलना में उच्चतम् उपलब्धि अभिप्रेरणा पाई गई। सुब्रमण्यम एवं राव (2006) ने बताया कि संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग के आधार पर सार्थक अंतर पाया गया तथा दोनों चरों के मध्य भी सार्थक संबंध पाया गया। नरेन एवं लक्ष्मी (2012) ने यह निष्कर्ष निकाला कि शालेय विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सह–संबंध तथा उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले छात्र–छात्राओं के मध्य भी सार्थक अंतर पाया गया।

उद्देश्य :

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा पर संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग का स्वतंत्र एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव ज्ञात करना।

परिकल्पना :

H1 : उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों पर संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग का स्वतंत्र एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया जाएगा।

परिसीमा :

अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के बेमेतरा जिले के ग्रामीण परिवेश के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को लिया गया।

न्यादर्श :

प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में बेमेतरा जिले के ग्रामीण परिवेश के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के 465 विद्यार्थियों (266 छात्रों एवं 199 छात्राओं) को स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा चयन किया गया।

उपकरण :

प्रस्तुत अध्ययन में उपलब्धि अभिप्रेरणा के मापन हेतु डॉ. दीना शाह द्वारा निर्मित उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी (1966) तथा संवेगात्मक बुद्धि के मापन हेतु एस. के. मंगल (2006) द्वारा निर्मित संवेगात्मक बुद्धि मापनी का उपयोग किया गया। इस परीक्षण की विश्वसनीयता .89 है।

सांख्यिकीय विश्लेषण :

प्रस्तुत शोध में परिकल्पना की जाँच हेतु (2X2) द्विदिश प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया।

परिणाम एवं विवेचना :

H 1 : उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों पर संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग का स्वतंत्र एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया जाएगा।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य उपलब्धि अभिप्रेरणा पर संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग के प्रभाव का अध्ययन करना है। अतः सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु 2 संवेगात्मक बुद्धि X 2 लिंग के लिए द्विदिश प्रसरण विश्लेषण की संगणना से प्राप्त सारांश को तालिका क्रमांक 1 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 1 : उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा पर संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग के स्वतंत्र एवं संयुक्त प्रभावों के संदर्भ में प्रसरण विश्लेषण का सारांश

प्रसरण का स्त्रोत	स्तर	माध्य	प्रमाणिक विचलन	एफ मान (1,149)
संवेगात्मक बुद्धि	निम्न	97.633	0.821	19.048**
	उच्च	102.718	0.826	
लिंग	छात्र	101.650	0.648	8.306*
	छात्रा	98.610	0.864	
संवेगात्मक बुद्धि X लिंग				
छात्र	निम्न	99.421	1.673	2.154NS
	उच्च	102.344	0.934	
छात्रा	निम्न	97.067	0.942	
	उच्च	104.059	1.769	

**0.01 सार्थकता स्तर, *0.05 सार्थकता स्तर, NS सार्थक नहीं

स्वतंत्र प्रभाव :

संवेगात्मक बुद्धि :

तालिका क्रमांक 1 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि संवेगात्मक बुद्धि विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव डालती है, क्योंकि इस कारक के लिये एफ मान 19.048 स्वतंत्रता की कोटि (1,149) पर सार्थकता के 0.01 स्तर पर सार्थक है तथा संवेगात्मक बुद्धि के दो स्तरों में अंतर विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा में विचलनशीलता उत्पन्न करते है। उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों (M=102.718) में उपलब्धि अभिप्रेरणा, निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों (M=97.633) की अपेक्षा सार्थक रूप से अधिक है। अतः इस परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों पर संवेगात्मक बुद्धि का स्वतंत्र प्रभाव नहीं पाया जाएगा, अस्वीकृत होती है।

लिंग :

तालिका क्रमांक 1 से स्पष्ट होता है कि लिंग कारक के लिये एफ मान 8.306 स्वतंत्रता की कोटि (1,149) पर सार्थकता के 0.05 स्तर पर सार्थक है छात्रों (M=101.650) में छात्राओं (M=98.610) की तुलना में उपलब्धि अभिप्रेरणा अधिक पाई गई। अतः, परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों पर लिंग का स्वतंत्र प्रभाव नहीं पाया जाएगा, अस्वीकृत होती है।

द्विकारक अन्योन्याश्रित प्रभाव :

संवेगात्मक बुद्धि X लिंग :

विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर उनकी संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन करने हेतु तालिका क्रमांक 1 का निरीक्षण करने से ज्ञात होता है कि संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग का संयुक्त प्रभाव विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक रूप से नहीं पड़ता है क्योंकि इन कारकों के संयुक्त प्रभाव के लिए प्राप्त एफ मान 2.194 स्वतन्त्रता की कोटि (1,149) पर सार्थकता के 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों पर संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग का अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, स्वीकृत होती है।

परिणाम :

निष्कर्षों से स्पष्ट होता है विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा पर संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग के मुख्य प्रभाव के लिये परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग की संयुक्त अन्योन्याश्रित प्रभाव के लिये परिकल्पना स्वीकृत होती है।

परिणामों की व्याख्या :

प्रस्तुत शोध के परिणामों से यह ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं लिंग का स्वतंत्र प्रभाव पाया गया है। इसका कारण यह हो सकता है कि जिन विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि उच्च स्तर की होती है उन विद्यार्थियों में शैक्षणिक अभिप्रेरणा तथा संवेगात्मक स्थिरता का गुण अधिक पाया जाता है। परिणामतः विद्यार्थी अपने शैक्षिक क्षेत्र के साथ–साथ जीवन की अन्य कसौटियों पर सफलता आसानी से प्राप्त कर लेते हैं तथा उनमें उपलब्धि अभिप्रेरणा अधिक होती है। इसी तरह लिंग का प्रभाव भी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर पाया गया। छात्रों में छात्राओं की तुलना में ज्यादा उपलब्धि अभिप्रेरणा पाई गई, क्योंकि वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश मां–बाप, बालिकाओं को सामाजिक दबाव के कारण उन्हें कई कार्य अकेले नहीं करने देते। समाज में यह मानसिकता है कि बालिकाओं को पढ़ाने–लिखाने से कोई लाभ नहीं है, क्योंकि ये पराया धन है। परिणामस्वरूप उपलब्धि प्राप्त करने पर भी बालिकाओं को बालकों की तरह प्रोत्साहित नहीं किया जाता है इसी प्रकार लिंग एवं संवेगात्मक बुद्धि का संयुक्त अन्योन्याश्रित प्रभाव नहीं पाये जाने का मुख्य कारण यह है कि दोनों चर स्वतंत्र प्रकृति के हैं अतः इन दोनों के अंतःक्रिया का प्रभाव उपलब्धि अभिप्रेरणा पर नहीं पाया गया।

संदर्भ :

(1) चतुर्वेदी, डॉ. गिरीश : उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, पृष्ठ 4–10

(2) Bhargava, S. (1965) : Study of achievement motivation in tribal and non-tribal high school students - Indian Journal of Psychology, New Delhi, 70 (304), 97-103.

(3) Darshni, M. (2007) : Relation between emotional intelligence and certain achievement motivation facilitating variables of higher secondary school students. Education tracks, 7 (4) 25-31.

(4) Narain, S and Lakshmi, V. (2012) : Relationship between emotional intelligence and academic achievement of school children. Psycho-lingua, 40(1&2), Pg. 80-83.

(5) Saikia, L.R. and Kalita, S. (2013) : A study on achievement motivation as related to gender differences of H.S. School. Indian Journal of Psychometry and Education, 44 (2), 116-118.

(6) Salim, K.C. (1998) : Impact of factor namely approaches to studying achievement motivation, sex and locale on achievement in Biology. Six Survey, Vol. II 1993-2000, Pg. 496.

(7) Sarita and Reena (2015) : A study of achievement motivation of Senior Secondary School Students of Working and non-working mothers. Journal of Educational & Psychological Research, 3(2), Pg. 218-219.

(8) Shekhar, C and Devi, R. (2012) : Achievement motivation across gender and different academic majors. Journal of Educational and Developmental Psychology, Vol. 2(2), 103-108.

(9) Subramanyam, K. and Rao, K.S. (2008) : Academic achievement and emotional intelligence of secondary school children. Journal of Community Guidance and Research, 2008, Vol. 25 (2), 224-228.

(10) Uma Devi, M.R. (2009) : Relationship between emotional intelligence, achievement motivation and academic achievement. Edutracks, 8 (12), 31-35.

(11) Verma, K.B. and Upadhyay, N. (2006) : Achievement motivation as a function of locus of control : A cross gender study of students. Indian Journal of Psychometry and Education, 2006, Vol. 37 (1), 35-39.